Important News: India

1. शिक्षा मंत्रालय ने यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस (UDISE+) 2020-21 पर रिपोर्ट जारी की

चर्चा में क्यों?

- शिक्षा मंत्रालय ने भारत की स्कूली शिक्षा पर **यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली) प्लस (UDISE+) 2020-21** पर रिपोर्ट जारी की।

प्रमुख बिंदु

- विद्यालयों से ऑनलाइन डेटा संग्रह की UDISE+ प्रणाली को स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग ने वर्ष 2018-19 में विकसित किया गया था। इसका उद्देश्य दस्तावेज के प्रारूप में मैनुअल डेटा भरने के पहले के अभ्यास और इसके बाद 2012-13 से संचालित UDISE डेटा संग्रह प्रणाली में प्रखंड या जिला स्तर पर कंप्यूटर पर फीडिंग से संबंधित मुद्दों को दूर करना है।
- UDISE+ डेटा से संबंधित मौजूदा रिपोर्ट साल 2020-21 के लिए संदर्भित है।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:

- 2020-21 में प्राथमिक से उच्च माध्यमिक तक स्कूली शिक्षा में **नामांकित कुल छात्रों** की संख्या 25.38 करोड़ थी। इससे पहले 2019-20 में यह आंकड़ा 25.10 करोड़ था। यानी 2020-21 में नामांकन में 28.32 लाख की बढ़ोतरी हुई है।
- **सकल नामांकन अनुपात (GER),** जो भागीदारी के सामान्य स्तर का मापन करता है, स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर 2019-20 की तुलना में 2020-21 के दौरान सुधार हुआ है। 2019-20 की तुलना में 2020-21 में स्तरवार GER हैं: उच्च प्राथमिक में 89.7 फीसदी से 92.2 फीसदी, प्राथमिक में 97.8 फीसदी से 99.1 फीसदी, माध्यमिक में 77.9 फीसदी से 79.8 फीसदी और उच्चतर माध्यमिक में 51.4 फीसदी से 53.8 फीसदी।
- 2020-21 के दौरान विद्यालयों में कुल 96.96 लाख शिक्षक हैं। यह 2019-20 में शिक्षकों की संख्या की तुलना में लगभग 8800 अधिक है।
- 2020-21 में **छात्र शिक्षक अनुपात (PTR)** प्राथमिक के लिए 26, उच्च प्राथमिक के लिए 19, माध्यमिक के लिए 18 और उच्च माध्यमिक के लिए 26 था। इसमें 2018-19 से सुधार

दिख रहा है। 2018-19 के दौरान प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक के लिए PTR क्रमशः 28, 20, 21 और 30 था।

- 2020-21 में 12.2 करोड़ से अधिक लड़कियों ने प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक तक में नामांकन कराया है। इससे 2019-20 में लड़कियों के नामांकन की तुलना में 2020-21 में लड़कियों की संख्या में 11.8 लाख की बढ़ोतरी हुई है।

स्रोत: PIB

2. केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने भारत में WHO ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना को स्वीकृति दी

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के बीच एक मेजबान देश समझौते पर हस्ताक्षर के साथ गुजरात के जामनगर में **WHO ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (WHO GCTM)** की स्थापना को स्वीकृति दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- आयुष मंत्रालय के तहत WHO GCTM की स्थापना की जाएगी।
- यह दुनिया भर में पारंपरिक चिकित्सा के लिए प्रथम और एकमात्र आउटपोस्टिड वैश्विक केंद्र (कार्यालय) होगा।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अदनोम घेबेरियस ने 13 नवंबर, 2020 को 5वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर भारत में WHO GCTM की स्थापना की घोषणा की थी।
- इस केंद्र की स्थापना के लिए गतिविधियों के समन्वय, निष्पादन और निगरानी के लिए एक संयुक्त कार्य बल (JTF) का गठन किया गया है।
- JTF में भारत सरकार, भारत के स्थायी मिशन, जिनेवा और विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि शामिल हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के बारे में तथ्य:

- **मुख्यालय:** जिनेवा, स्विट्जरलैंड
- **स्थापना:** 7 अप्रैल 1948
- जनवरी 2021 तक, WHO के 194 सदस्य देश हैं।

स्रोत: द हिंदू

3. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अतिरिक्त भूमि मुद्रीकरण के लिए राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम गठित करने की मंजूरी दी

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम (NLMC)** को केन्द्र सरकार के पूर्ण स्वामित्व में गठित करने की मंजूरी दी है, जिसकी प्रारंभिक अधिकृत शेयर पूंजी 5000 करोड़ रुपये और चुकता शेयर पूंजी 150 करोड़ रुपये होगी।

प्रमुख बिंदु

- NLMC केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (CPSE) के स्वामित्व की अतिरिक्त भूमि और भवनों का मुद्रीकरण करेगी।
- यह प्रस्ताव बजट 2021-22 की घोषणाओं के अनुरूप है।
- गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के माध्यम से उपयोग में नहीं या आंशिक उपयोग वाली परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण करके सरकार राजस्व प्राप्त करेगी।
- ऐसे CPSE जो रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया में हैं या बंद होने के कगार पर हैं, इन अतिरिक्त भूमि और गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण उनके मूल्य निर्धारण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

स्रोत: ET

4. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने खान और खनिज (विकास एवं नियमन) अधिनियम, 1957 की दूसरी अनुसूची में संशोधन को मंजूरी दी

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ग्लूकोनाइट, पोटाश, एमराल्ड, प्लेटिनम समूह की धातुएं (PGM), एंडेलूसाइट, सिलिमाइट और मॉलिबडेनम जैसे कुछ खनिजों के सम्बन्ध में रॉयल्टी की दर को स्पष्ट करने के लिये खान और खनिज (विकास एवं नियमन) अधिनियम, 1957 (इसे आगे "अधिनियम" कहा जायेगा) की दूसरी अनुसूची में संशोधन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- इस मंजूरी से ग्लूकोनाइट, पोटाश, एमराल्ड, प्लेटिनम समूह की धातुओं, एंडेलूसाइट, सिलिमाइट और मॉलिबडेनम के सम्बन्ध में खनिज ब्लॉकों की नीलामी सुनिश्चित होगी, जिसके परिणामस्वरूप इन खनिजों के आयात में कमी आयेगी, खनन सेक्टर में रोजगार के अवसर पैदा होंगे और निर्माण सेक्टर, समाज के सबसे बड़े वर्ग के समावेशी विकास को सुनिश्चित करने में सक्षम होगा।
- खान मंत्रालय इन खनिजों के औसत बिक्री मूल्य (ASP) की गणना की पद्धति प्रदान करेगी, जो इन खनिज ब्लॉकों की नीलामी शुरू करने के लिये जरूरी है।
- वर्ष 2021 में किये गये सुधारों से इसे और गति मिली तथा, वित्त वर्ष 2021-22 में 146 से अधिक ब्लॉकों को रखा गया। वित्त वर्ष के दौरान इनमें से 34 ब्लॉकों की नीलामी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

5. राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने NEET-UG परीक्षा में बैठने के लिए ऊपरी आयु सीमा हटाई

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने NEET-UG परीक्षा में बैठने के लिए ऊपरी आयु सीमा को हटा दिया है।

प्रमुख बिंदु

- इस आशय के लिए स्नातक चिकित्सा शिक्षा 1997 पर नियमों में उपयुक्त रूप से संशोधन करने के लिए आधिकारिक अधिसूचना की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
- इससे पहले सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आयु सीमा 25 वर्ष और आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 30 वर्ष थी।
- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग देश में चिकित्सा शिक्षा का शीर्ष नियामक निकाय है।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (स्नातक) या NEET (UG) के बारे में:

- NEET (UG), पूर्व में ऑल इंडिया प्री-मेडिकल टेस्ट (AIPMT), उन छात्रों के लिए एक अखिल भारतीय प्री-मेडिकल प्रवेश परीक्षा है, जो अंडरग्रेजुएट मेडिकल (MBBS), डेंटल (BDS) और आयुष (BAMS, BUMS, BHMS, आदि) पाठ्यक्रम करना चाहते हैं।
- यह परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) द्वारा आयोजित की जाती है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

6. केंद्रीय राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने पूसा कृषि विज्ञान मेला- 2022 का शुभारंभ किया

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने नई दिल्ली में पूसा कृषि विज्ञान मेला 2022 का उद्घाटन किया।
- इस अवसर पर, श्री चौधरी ने दो एकड़ क्षेत्र में विकसित "पूसा एग्री कृषि हाट परिसर" राष्ट्र को समर्पित किया।

प्रमुख बिंदु

- तीन दिवसीय कृषि मेला का आयोजन ICAR -भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) द्वारा किया जा रहा है।
- किसान और किसान उत्पादक संगठन 'पूसा एग्री कृषि हाट परिसर' में अपने उत्पादों का सीधा विपणन कर सकेंगे।
- इस सुविधा से उपभोक्ता सीधे किसानों के उत्पाद खरीद सकेंगे, जिससे उन्हें बिचौलियों से मुक्ति मिलेगी।

स्रोत: PIB

Important News: State

7. भारत का पहला 100% महिला स्वामित्व वाला FLO औद्योगिक पार्क का हैदराबाद में उद्घाटन किया गया

चर्चा में क्यों?

- हैदराबाद में भारत का पहला 100% महिला स्वामित्व वाला FLO औद्योगिक पार्क, का उद्घाटन किया गया, जिसे तेलंगाना सरकार के साथ साझेदारी में, **FICCI लेडीज ऑर्गनाइजेशन (FLO)** द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- 250 करोड़ रुपये के निवेश के साथ बनाया गया 50 एकड़ का FLO औद्योगिक पार्क फ्लैगशिप प्रोजेक्ट है और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी तरह का पहला है, जिसमें चैप्टर सदस्यों के साथ-साथ FLO राष्ट्रीय सदस्यों के लिए भागीदारी है।
- पार्क 16 ग्रीन श्रेणी के उद्योगों का प्रतिनिधित्व करने वाली संचालित इकाइयों द्वारा 25 महिलाओं के स्वामित्व से परिचालित हो गया।

FICCI लेडीज ऑर्गनाइजेशन (FLO) के बारे में:

- FLO की स्थापना 1983 में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI) के एक डिवीजन के रूप में की गई थी, जो भारत में उद्योग और वाणिज्य का शीर्ष निकाय है।
- महिलाओं के लिए एक अखिल भारतीय संगठन के रूप में, FLO के पूरे भारत में 18 चैप्टर हैं - नई दिल्ली में अपने प्रधान कार्यालय के साथ अहमदाबाद, बैंगलोर, भुवनेश्वर, चेन्नई, कोयम्बटूर, हैदराबाद, इंदौर, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, कानपुर, लुधियाना, मुंबई, पूर्वोत्तर, पुणे, अमृतसर, पूर्वोत्तर और उत्तराखंड।

स्रोत: इंडिया टुडे

Important News: Science

8. वैज्ञानिकों ने यूरिया इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा ऊर्जा कुशल हाइड्रोजन के उत्पादन को विकसित किया

चर्चा में क्यों?

- भारतीय वैज्ञानिकों ने यूरिया के विद्युत अपघटन (इलेक्ट्रोलिसिस) की मदद से ऊर्जा कुशल हाइड्रोजन उत्पादन के लिए एक विद्युत उत्प्रेरक प्रणाली (इलेक्ट्रोकैटलिस्ट सिस्टम) को तैयार किया है।

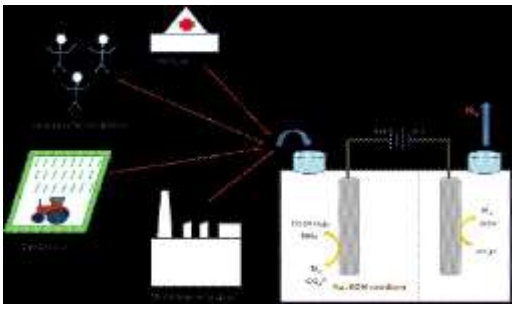

प्रमुख बिंदु

- यूरिया इलेक्ट्रोलिसिस कम लागत वाले हाइड्रोजन उत्पादन के साथ यूरिया आधारित अपशिष्ट उपचार की दिशा में सहायक है।

- भारत यूरिया उत्पादन में शीर्ष देशों में से एक है, और इसने 2019-20 के दौरान 244.55 LMT यूरिया का उत्पादन किया।
- नाइट्रोजनयुक्त उर्वरक उद्योग अपशिष्ट के रूप में अमोनिया और यूरिया की उच्च सांद्रता का उत्पादन करते हैं।
- इसका उपयोग हमारे देश के लाभ के लिए ऊर्जा उत्पादन के लिए किया जा सकता है।
- यूरिया इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा जल के विद्युत अपघटन (इलेक्ट्रोलिसिस) के माध्यम से होने वाले हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए ऊर्जा की आवश्यकता को 70% तक कम किया जा सकता है।

स्रोत: PIB

Important News: Sports

9. ISSF WC 2022: 4 स्वर्ण, 2 रजत, एक कांस्य के साथ भारत पदक तालिका में शीर्ष पर

चर्चा में क्यों?

- भारत ने काहिरा में **अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (ISSF) विश्व कप 2022** में पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

प्रमुख बिंदु

- भारतीय टीम चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य सहित कुल सात पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रही।
- प्रतियोगिता में नॉर्वे दूसरे और फ्रांस तीसरे स्थान पर रहा।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर